



SE – 059

II Semester B.C.A./B.Sc. (FAD) Examination, September 2020  
(CBCS) (Repeaters) (2016-17 and Onwards)  
LANGUAGE HINDI (Paper – II)  
Kavitha, Nibandh, Shabdawali Anuvad

Time : 3 Hours

Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए : (10×1=10)

- 1) कबीर के अनुसार समुंदर किसमें नहीं समाता ?
- 2) मीरा-कृष्ण को अपने अंग पर क्या लगा लेने के लिए कहती है ?
- 3) मीरा को क्या प्यारा लगता है ?
- 4) कर्मवीर चिलचिलाती धूप को क्या बना देते हैं ?
- 5) कर्मवीर पर्वतों को काटकर क्या बना देते हैं ?
- 6) कवि के मस्तक पर क्या है ?
- 7) कवयित्री किसमें मिटना चाहती है ?
- 8) 'कर्म' कविता के रचनाकार कौन है ?
- 9) किसको अपनी सेवा से काम था ?
- 10) जीवन में किसका आनंद है ?



II. निम्नलिखित काव्यांश का सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(1×7=7)

अ) करता दीसै कीरतन, ऊँचा करि करि तूंड ।  
जाणै बूझै कुछ नहीं, यों ही आँधा रुंड ॥

अथवा

माई म्हाँ गोबिन्द गुण गाणा ।  
राजा रूठयों नगरी त्यागाँ, हरि रूठयाँ कहूँ जाणा ।  
राणै भेज्या विषरों प्याला चरणामृत पी जाणा ।  
काला नाग पिटारयाँ भेज्याँ, सालगराम पिछाणा ।  
मीराँ सो अब प्रेम दिवाँणी, साँवलिया वर पाणा ॥

P.T.O.



आ) दोस्त हमारा नाम न पूछो,  
हम तो रमते राम सदा के  
दोस्त हमारा गाम न पूछो,  
एक यंत्र-सा जो कि नियति के  
हाथों से संचालित होता  
कुछ ऐसा अस्तित्व हमारा  
दोस्त, हमारा काम न पूछो ।

(1×7=7)

अथवा

दीनता मेरी  
बनावट का कोई तत्व नहीं हैं  
फिर भी धनाढ्य से मिलकर  
मैं दीन हो जाता हूँ  
अरति जन संसदि का मैंने  
इतना ही अर्थ लगाया हैं ।



III. किसी एक कविता का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(1×16=16)

- 1) नया तरीका ।
- 2) कर्मवीर ।

IV. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

(2×5=10)

- 1) प्रिय चिरंतन है सजनि ।
- 2) कर्म ।
- 3) साधारण का आनंद ।

V. किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए :

(1×10=10)

- 1) आधुनिक संचार क्रान्ति ।
- 2) आज का समाज और नैतिकता ।





VI. निम्नलिखित शब्दों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

(10×1=10)

- 1) Abatement
- 2) Hand Wheel
- 3) Image
- 4) Bracket
- 5) Dispatcher
- 6) Legacy
- 7) Hailstone
- 8) Jammer
- 9) Zero gravity
- 10) Vertex.



ii. निम्नलिखित शब्दों का सप्रसंग अर्थ लिखिए -

(1×7=7)

अ) काल का अर्थ, अर्थात् काल का अर्थ

काल का अर्थ अर्थात्, काल का अर्थ

अथवा

काल का अर्थ अर्थात्, काल का अर्थ

काल का अर्थ अर्थात्, काल का अर्थ

काल का अर्थ अर्थात्, काल का अर्थ

काल का अर्थ अर्थात्, काल का अर्थ

काल का अर्थ अर्थात्, काल का अर्थ